राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एन.डी.एम.ए.), भारत सरकार का
समाज को एकजुट करने का अभियान
"हर परिवार लड़े आपदा से"
मस्तिष्क ज्वर / दिमागी बुखार / नवकी बीमारी

यह बीमारी क्या है:

- ये एक जानलेवा बीमारी है
  इसको अंग्रेजी में जे.ई. और ए.ई.एस. बोलते है
- जे.ई. मच्छरों से फैलता है और
  ए.ई.एस. दूषित पानी से फैलता है।

इस बीमारी के लक्षण:

- अचानक तेज बुखार आना
- मरीज का पूरी तरह होशो-हवाश में न होना
- मरीज के व्यवहार में अचानक परिवर्तन का आना
- मरीज को पहली बार झटके आना।

आपके हित में तत्पर एन. डी. एम. ए.

Sphere India

क्या करें

दिमागी बुखार का टीका जरूर लगवाएँ।

मच्छर मारने के धुएं के छिड़काव (फॉगिंग) के समय घर के खिड़की दरवाज़े खुले रखें।

मच्छरों से बचाव के लिए मच्छरदानी व मच्छर अगरबत्ती आदि का प्रयोग करें।

पूरे बाँह की शर्ट एवं फुल पैंट एवं पैरों में मोजे पहनें।

सुअरों को घर से दूर रखें रहने की जगह साफ सुथरा रखें एवं जाली लगाएं।

पीने के लिए इंडिया मार्का-II हैण्ड पम्प के पानी का प्रयोग करें।

क्या ना करें

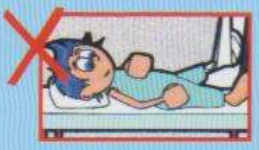

मरीज़ को पीठ के बल न लिटाएं।

बेहोशी व झटके की स्थिति में मरीज़ के मुँह में कुछ भी नहीं डालें।

घर के आस पास गंदा पानी इकट्ठा न होने दें।

इधर-उधर कूड़ा-कचरा व गंदगी न फैलाएं।

खुले मैदान या खेतों में शौच न करें।

४० फीट से कम गहराई के हैण्ड पम्पों का पानी न पीयें।

तालाब या पोखरे के पानी को नहाने या मुँह धोने के लिए भी प्रयोग न करें।

झोला छाप डाक्टरों के पास न जाएं।

तालाब या पोखरे में जलकुम्भी या अन्य पौधे न पैदा होने दें।

पक्के व सुरक्षित शौचालय का प्रयोग करें।

शौच के बाद व खाने के पहले साबुन से हाथ अवश्य धोएँ।

नाखूनों को काटते रहें। लम्बे नाखूनों से भोजन बनाने व खाने से भोजन प्रदूषित होता है।

भोजन ढक कर रखें। फल एवं सब्जी धोने एवं छीलने के बाद खाएं।

पीने के पानी को यदि इकट्ठा रखते हैं तो उसमें कभी हाथ न डालें बल्कि स्वच्छ हैन्डल लगे मग का प्रयोग करें।

दिमागी बुखार के मरीज़ को दाएं या बाएं करवट लिटाएं।

यदि तेज बुखार हो तो पानी से बदन पोछतें रहें।